एक नजर में

मोहनलाल भावसार मैनेजर दिवंगत

जीरापुर 10 मई, सं. नगर के भावसार समाज के प्रतिष्ठित व्यवहार कुशल व्यक्तित्व साधारण एवं मिलनसार मोहनलाल भावसार मेनेजर का निधन हो गया. शुरूआत में आप मोटर(बस)लाइन से जुड़े जिन्होंने पुरोहित बस कम्पनी में लम्बे समय तक मेनेजर के रूप में सेवाएं प्रदान की, जो मोहन दादा मेनेजर ने नाम से विख्यात रहे. वह मूलत: रामनगर के निवासी थे जो ग्राम पंचायत रामनगर के पूर्व सरपंच भी रहे. तथा जीरापुर जनपद पंचायत में जनपद सदस्य भी बने. उनकी शवयात्रा उनके गृह निवास भावसार मोहल्ला जीरापुर से पिपल्दा रोड़ मुक्ति धाम ले जाई गई जहां उनके परिवार जन एवं उनके पुत्र गिरिराज भावसार ने मुखाग्नि दी. वह रमेशचंद्र, बालमुकुंद, मधुसूदन भावसार के अग्रज भ्राता थे. श्रीमाल (भावसार) परिवार सहित उनकी शवयात्रा में अन्य समाज जन मिलने जुलने वाले बड़ी संख्या में शामिल हुए. जहां मुक्ति धाम पर पूर्व नपाध्यक्ष दिनेश चंद्र पुरोहित, तरूण चौबे, नपा कर्मचारी कमल भावसार ने शोकसभा में उनके बारे में विचार रखकर उन्हें ईश्वर के चरणों में स्थान प्रदान करने की कामना कर श्रद्धांजलि अर्पित की.

उत्कृष्ट कार्यों पर राज्यपाल द्वारा सम्मान

नरसिंहगढ़ 10 मई, सं. विश्व रेड क्रॉस दिवस के अवसर पर समाज सेवा एवं विभिन्न क्षेत्रों में किए जा रहे उत्कृष्ट कार्यों हेतु आयोजित सम्मान समारोह में मध्यप्रदेश के महामहिम राज्यपाल मंगुभाई पटेल के कर कमलों से विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी भवन, नेहरू नगर, भोपाल में भारतीय रेडक्रॉस सोसायटी की जिला शाखा राजगढ़ के जिला सचिव संजय शेखर शर्मा को उत्कृष्ट सेवा सम्मान स्वरूप स्मृति चिन्ह एवं प्रमाण पत्र प्रदान किया गया. यह सम्मान भारतीय रेडक्रॉस सोसायटी जिला राजगढ़ द्वारा समाज हित में किए जा रहे उल्लेखनीय एवं जनसेवा से जुड़े कार्यों के लिए प्रदान किया गया. श्री शर्मा द्वारा नरसिंहगढ़ में पोस्टमार्टम रूम के बाहर मरीजों एवं परिजनों की सुविधा हेतु परिजन विश्राम स्थल का निर्माण करवाया गया. नगर में मरचुरी फ्रीजर मंगवाया गया. इसके अतिरिक्त आशा धाम वृद्धाश्रम में कमोड शौचालय निर्माण कार्य भी करवाया गया. भारतीय रेडक्रॉस सोसायटी जिला राजगढ़ द्वारा वृद्धाश्रम में निवासरत बुजुर्गों को उज्जैन महाकाल दर्शन करवाने हेतु विशेष यात्रा का आयोजन भी किया गया. वहीं समाज के एक जरूरतमंद किडनी मरीज को आर्थिक सहायता उपलब्ध करवाकर उसका सफल किडनी ट्रांसप्लांट करवाने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई गई. इसके साथ ही समाज के कई शोषित, गरीब एवं जरूरतमंद लोगों को समय-समय पर आर्थिक सहायता एवं आवश्यक सहयोग प्रदान किया गया, जिससे अनेक परिवारों को राहत मिली. श्री संजय शेखर शर्मा ने इस सम्मान को समाज सेवा के प्रति अपनी जिम्मेदारी, समर्पण एवं सेवा भावना को और अधिक मजबूत करने वाला बताया. इस अवसर पर भारतीय रेडक्रॉस सोसायटी के प्रदेश सचिव रामेंद्र सिंह एवं रेडक्रॉस सोसायटी मध्यप्रदेश के चेयरमैन एस. एस. कुमरे, भोपाल नगर निगम कमिश्नर संस्कृति जैन सहित अनेक गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे.

दर्जनों गांवों में संकट, 3 किमी दूर से ला रहे पानी

पहाड़गढ़ परियोजना के तहत आने वाले दर्जनों गांवों में पेयजल संकट गहराने से ग्रामीण परेशान

सप्ताह भर से बंद 77 गांवों को पानी पहुंचाने वाली पहाड़गढ़ परियोजना बिजली की लुकाछुपी एवं ट्यूबवेल, हैण्डपम्पों के गिरते जल स्तर से और गहराया पेयजल संकट

नवभारत न्यूज

ब्यावरा 10 मई, का. गर्मी के दिनों में पानी की अधिक आवश्यकता होती है ऐसे समय में यदि एक नहीं अपितु दर्जनों गांव को पानी उपलब्ध कराने वाली परियोजना के मुख्य स्रोत में पानी खत्म हो जाये और दर्जनों गांवों पर पेयजल संकट गहराने लगे तो इससे बड़ी विडम्बना और क्या होगी. ऐसा ही कुछ इन दिनों सुठालिया क्षेत्र की पहाड़गढ़ परियोजना के तहत देखने में आ रहा है. इस परियोजना के तहत जिन 77 गांवों में पानी पहुंचता था वहां पानी खत्म होने के कारण सप्ताह भर से पेयजल सप्लाइ पूरी तरह ठप्प हो चुकी है. ग्राम मऊ सहित दर्जनों गांवों में पेयजल संकट काफी गहरा गया है. डेढ़ से तीन किमी दूर तक से पानी लाना पड़ रहा है.

परियोजना के तहत आने वाले गांवों में पेयजल संकट गहरा चला है. कई गांवों में पानी का अत्यधिक संकट बना हुआ है. पेयजल संकट का सामना कर रहे गांवों में बिजली की लुकाछुपी ने इस संकट को और गहरा दिया है. बिजली कटौती एवं घंटो तक कम वोल्टेज के कारण ट्यूबवेल नहीं चलने से पानी की समस्या और गंभीर हो रही है.

मोल पानी खरीदने को मजबूर

इसी परियोजना के तहत आने वाले ग्राम गांगाहोनी में अधिकांश निजी ट्यूबवेलों का जल स्तर कम हो चला है. वहीं बिजली की समस्या भी यहां काफी परेशान कर रही है. लम्बे समय तक कम वोल्टेज होने के कारण ट्यूबवेल नहीं चल पाते है. प्रायवेट टेंकरों से पानी खरीदने को लोग मजबूर है. एक टेंकर पानी 500 रुपये में मिल पा रहा है. विद्युत विभाग के अनुसार बिजली संबंधी कोई समस्या नहीं है, पर्याप्त वोल्टेज आ रहा है.

परियोजना के तहत इन गांवों में पहुंचता पानी

ब्यावरा विकासखण्ड के तहत जल जीवन मिशन द्वारा सुठालिया क्षेत्र के 77 गांवों में पारसाना स्थित पार्वती नदी से नलजल योजना के तहत गांव-गांव पानी पहुंचाया जाता है. ग्राम गांगाहोनी, चाचाखेड़ी, महाराजखेड़ा, सेमलापार, टोड़ी, गिंदौरहाट,नरी, बिसौनिया, मऊ, मोठबडली, नापानेरा, अमरगढ़ खंडिया, परसाना सहित दर्जनों गांवों में पेयजल सप्लाई होती है. जानकारी के अनुसार पार्वती नदी स्थित जहां से पेयजल सप्लाई की जाती है वहां पर पूर्व से बना स्टॉप डेम ही है और उसका भी लीकेज होना बताया जाता है, जिसके कारण वहां पर्याप्त पानी ठहर नहीं पाता है. यहां पर एक उपयुक्त स्टॉप डेम बनना था. ताकि गर्मी के दिनों में भी पर्याप्त पानी का स्टॉक रह सके.

3 किमी दूर हैण्डपम्प से ला रहे पानी

ग्राम मऊ में पेयजल संकट का सामना करना पड़ रहा है. नलजल योजना के बंद होने तथा गांव में स्थित 3 सरकारी एवं अन्य ट्यूबवेल, हेण्डपम्प आदि जल स्त्रोंतो का जल स्तर काफी कम होने के चलते पेयजल संकट काफी गहरा गया है. मऊ निवास श्री घीसालाल व्यास के अनुसार टोड़ी रोड पर स्थित ग्राम निवारा के यहां लगभग 3 किमी दूर एवं हांसरौद रोड पर पठारी क्षेत्र के यहां श्री राधा कृष्ण मंदिर के समीप हेण्डपम्प से वाहनों के द्वारा पानी ला रहे है. गांव में माता मंदिर के यहां स्थित ट्यूबवेल का जल स्तर कम होने से वह रुक-रुककर बमुश्किल चल पाती है. यहां पर भी काफी भीड़ रहती है. निजी टेंकरों से भी पानी लेते है, एक टेंकर पानी करीब 500 रुपये में आता है.

धरातल पर हालात कुछ और

कहने को नलजल योजना के माध्यम से गांव-गांव, घर-घर पेयजल उपलब्ध कराने के लिए परियोजनाएं संचालित की जा रही है किंतु गर्मी के दिनों में जब पानी की अधिक आवश्यकता होती है ऐसे समय पानी के अभाव में परियोजना का दम तोडना चिंताजनक है. धरातल पर हालात कुछ और ही बयां कर रहे है. कई गांवों में पेयजल संकट के हालात निर्मित है. पानी के लिए काफी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है.

4 मई से बंद हुई पेयजल सप्लाई

परियोजना प्रबंधन के अनुसार जिस जगह पारसाना पार्वती नदी से पेयजल सप्लाई की जाती है वहां पानी खत्म होने के चलते 4 मई से पेयजल सप्लाई को बंद करना पड़ा.

नवागत थाना प्रभारी ने संभाला कार्यभार

नवभारत न्यूज, संडावता 10 मई, सं. लीमा चौहान थाना प्रभारी के रुप में नवागत थाना प्रभारी गोविंद मीणा द्वारा कार्यभार ग्रहण किया गया. उन्होंने कहा कि क्षेत्र में शांति, सुरक्षा और कानून व्यवस्था बनाए रखना सर्वोच्च प्राथमिकता रहेगी. आमजन की समस्याओं का त्वरित समाधान किया जाएगा तथा अपराध एवं अवैध गतिविधियों पर सख्ती से कार्रवाई की जाएगी. किसी भी प्रकार के अवैध कारोबार को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा. कानून व्यवस्था बिगाड़ने वालों के खिलाफ कठोर कार्रवाई की जाएगी. थाना प्रभारी ने पुलिस टीम को गश्त बढ़ाने, संदिग्ध गतिविधियों पर नजर रखने और क्षेत्र की जनता से पुलिस का सहयोग करने तथा किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना तुरंत पुलिस को देने की अपील की.

मंदिर से दो दान पेटी तोड़कर नगदी चोरी

शनि और पंचमुखी मंदिर की दान पेटियां तोड़कर की चोरी

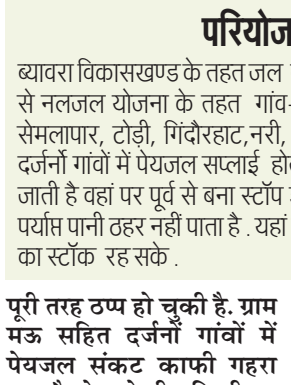

नवभारत न्यूज

छापीहेड़ा 10 मई, सं. बीती रात्रि को नगर में एक धार्मिक स्थल पर मौजूद दो दानपेटी से अज्ञात बदमाश द्वारा चोरी कर हजारों रुपये नगदी चोरी करने की घटना प्रकाश में आई है. कुछ दिन पूर्व भी मंदिर परिसर से कुछ सामान चोरी होना बताया जाता है. चोरों ने शनि मंदिर एवं पंचमुखी हनुमान मंदिर की दानपेटियां तोड़कर हजारों रुपए नगदी चोरी कर लिए. घटना का पता उस समय चला जब रविवार सुबह श्रद्धालु मंदिर पहुंचे और दान पेटियों के ताले टूटे देखे. घटना से आक्रोश व्याप्त हो गया.

जानकारी के अनुसार शनिवार रात 8 बजे से रविवार सुबह 7 बजे के बीच अज्ञात बदमाश मंदिर परिसर में बाहर रखी दान पेटियों के ताले तोड़कर नगदी राशि निकाल ले गये. चोरी राशि हजारों में बताई जाती है.

जांच में जुटी पुलिस घटना की जानकारी लगते ही छापीहेड़ा पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू की. पुलिस ने अज्ञात आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है. कुछ लोगों से पूछताछ की जा रही है. आसपास के सीसीटीवी फुटेज खंगाले जा रहे है.

विगत दिवस हुआ था सामान चोरी मंदिर के पुजारी श्याम दास जी महाराज के अनुसार तीन-चार दिन पहले भी महादेव मंदिर से पीतल की जलधारा, एक बाल्टी तथा शनि मंदिर का लोटा चोरी हो चुका है. लगातार हो रही चोरी की घटनाओं से श्रद्धालुओं में नाराजगी है. आरोपियों को जल्द गिरफ्तार करने की मांग की है.

सच्चा ज्ञान प्राप्त होने पर भय और शंकाओं से मुक्त जीवन यापन

कुरावर 10 मई, सं. केन्द्रीय आध्यात्मिक विज्ञान शाला ओमकारेश्वर उपकेन्द्र झाडला में 35 वां विज्ञान सम्मेलन विज्ञान शाला उपकेंद्र ग्राम झाडला में रविवार को समापन हुआ. श्री स्वामी उमाशंकर चैतन्य के साथ आध्यात्म विज्ञान शाला में उपदेश दोपहर 3 से शुरू होकर शाम 5.30 सम्पन्न हुआ. मुख्य वक्ता स्वामीजी द्वारा कहा गया कि जब परमात्मा का सच्चा ज्ञान मनुष्य को प्राप्त हो जाता है तो वह भय और शंकाओ से मुक्त होकर जीवन यापन करता है. गीता में भगवान श्री कृष्ण ने कहा कि है अर्जुन तू व्यर्थ ही आने वाले भविष्य की चिंता करता है जबकि भविष्य तो तेरे कर्म के प्रारब्ध के अनुसार फल देगा. आगे कहा की तू केवल कर्म कर फल तो ईश्वर के द्वारा निमित्त मात्र है. अवचेतन मन को जब परम पिता परमात्मा का सच्चा ज्ञान और दर्शन हो जाता है तो जीवन की कठिन से कठिन समस्या का हल निकल जाता है. कार्यक्रम में आभार शिवनारायण वैष्णव द्वारा माना. महाआरती हुई व प्रसाद वितरण किया गया. बड़ी संख्या में नागरिकों ने सत्संग का लाभ लिया.

पुराने जनपद भवन में शॉपिंग कॉम्प्लेक्स का भूमिपूजन

नवभारत न्यूज

सारंगपुर 10 मई, सं. नगर के हृदय स्थल गांधी चौक स्थित पुराने जनपद पंचायत भवन परिसर में रविवार को प्रदेश सरकार के तकनीकी शिक्षा, कौशल विकास एवं रोजगार राज्य मंत्री डॉ. गौतम टेटवाल ने नवीन शॉपिंग कॉम्प्लेक्स निर्माण कार्य का विधिवत पूजा-अर्चना एवं भूमिपूजन किया.

राज्यमंत्री डॉ. टेटवाल ने कहा कि नवीन शॉपिंग कॉम्प्लेक्स बनने से स्थानीय व्यापार को नई गति मिलेगी, युवाओं के लिए रोजगार के अवसर बढ़ेंगे तथा नागरिकों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध होंगी. क्षेत्रवासियों ने भी इस विकास कार्य को लेकर हर्ष व्यक्त करते हुए इसे सारंगपुर के लिए बड़ी सौगात बताया.

कार्यक्रम में जनपद पंचायत अध्यक्ष देननारायण नागर, नपाध्यक्ष पंकज पालीवाल, भाजपा मंडल अध्यक्ष महेश पुष्पद, नगर पालिका उपाध्यक्ष प्रतिनिधि निलेश वर्मा, जनपद पंचायत उपाध्यक्ष कैलाश नागर चाटकीया, जनपद सदस्य करणसिंह दरबार, मंडल महामंत्री कमल राठौर, पार्षद कुलदीप राठौर, संतोष कुम्भकार, अंकित अवस्थित, पवन लाला, मोहन लववंशी, सहित जनप्रतिनिधि, प्रशासनिक अधिकारी एवं बड़ी संख्या में नागरिकगण उपस्थित रहे.

6 साल पुरानी गांठ का जिला अस्पताल में सफल ऑपरेशन

राजगढ़ 10 मई, का. जिला चिकित्सालय राजगढ़ में एक बड़ी सर्जरी को सफलतापूर्वक अंजाम दिया गया. खिलचीपुर ब्लॉक के ग्राम खूणाखेड़ा निवासी 65 वर्षीय महिला जडावबाई पति शंकरलाल के दाहिने हाथ में पिछले लगभग 6 वर्षों से बड़ी गांठ थी, जिसके कारण उन्हें लगातार परेशानी का सामना करना पड़ रहा था. समय के साथ गांठ का आकार बढ़ता जा रहा था, जिससे हाथ से काम करना भी प्रभावित हो गया था. प्राप्त जानकारी अनुसार पीड़ित महिला ने उपचार के लिए बड़े शहरों के अस्पतालों का भी रुख किया, लेकिन राहत नहीं मिली. इसके बाद महिला जिला चिकित्सालय पहुंची, जहां सीनियर सर्जन डॉ. शकील अहमद खान ने जांच के बाद ऑपरेशन करने का निर्णय लिया. डॉ. खान द्वारा सफल सर्जरी करते हुए महिला के हाथ से करीब 2 किलो वजन की गांठ निकाली गई. ऑपरेशन के बाद महिला की हालत सामान्य बताई जा रही है. उल्लेखनीय है कि जिला चिकित्सालय में लगातार सफल सर्जरी होने से अब ग्रामीण क्षेत्रों के मरीजों को इलाज के लिए बड़े शहरों की ओर नहीं जाना पड़ रहा है. स्थानीय स्तर पर बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं मिलने से मरीजों को समय और आर्थिक दोनों रूप से राहत मिल रही है. इस जटिल सर्जरी में एनेस्थेटिक विशेषज्ञ डॉ. अशोक कुमार मांझी एवं नर्सिंग स्टाफ का विशेष सहयोग रहा.

बिजली संकट का हुआ अंत

शहरी फीडर से जुड़ी पाड़ल्या रोड की तीन कॉलोनियां

नवभारत न्यूज

सारंगपुर 10 मई, सं. नगर के पाडल्या रोड स्थित तीन प्रमुख कॉलोनियो जिनमें पुष्पद कॉलोनी, बजरंग कॉलोनी और बादशाह कॉलोनी के निवासियों के लिए रविवार को राहत भरी खबर आई, जिसमें पिछले ढाई महीनों से जारी बिजली की समस्या का स्थायी निराकरण विद्युत कंपनी के द्वारा कर करते हुए इन कॉलोनियों का विद्युत कनेक्शन पुन: शहरी फीडर से जोड़ दिया गया है.

दरअसल लगभग ढाई महीने पहले अंडरग्राउंड केबल खराब हो जाने के कारण विद्युत कंपनी ने व्यवस्था सुधारने के बजाय इन तीन कॉलोनियों को शहरी फीडर से हटाकर ग्रामीण फीडर से जोड़ दिया था. इस बदलाव के कारण क्षेत्र में बिजली की भारी कटौती और लो-वोल्टेज की समस्या पैदा हो गई थी. इसका सबसे बुरा असर पेयजल व्यवस्था पर पड़ रहा था. शहर के प्याऊ को जल आपूर्ति करने वाले खेड़ापति हनुमान मंदिर के ट्यूबवेल और कुएं का कनेक्शन भी इसी क्षेत्र में आता है, जिससे भीषण गर्मी में जल संकट गहराने लगा था. इस समस्या को लेकर खेड़ापति बिजली उपभोक्ता संघ के संयोजक निजाम कुरैशी के नेतृत्व में रहवासी पिछले दो महीनों से अधिकारियों के चक्कर काट रहे थे.

घेराव की चेतावनी के बाद सुधरे हालात सुनवाई न होने पर आक्रोशित रहवासियों ने 4 मई को चक्काजाम और बिजली बोर्ड के घेराव की चेतावनी दी थी. उस समय कंपनी के जूनियर इंजीनियर उमेश मिश्रा ने मौके पर पहुंचकर तीन-चार दिन के भीतर समस्या हल करने का लिखित आश्वासन दिया था। इसी वादे को निभाते हुए रविवार को कंपनी ने केबल सुधार कार्य पूरा कर शहरी फीडर से विद्युत आपूर्ति बहाल की. समाधान होने पर क्षेत्र के रहवासियों ने इस सुधार कार्य के लिए विद्युत विभाग और संघर्ष करने वाली समिति का आभार व्यक्त किया है. रविवार को जब बिजली आपूर्ति शहरी फीडर से पुन: शुरू की गई, तो मौके पर उत्साह का माहौल रहा. इस दौरान नपा उपाध्यक्ष प्रतिनिधि निलेश वर्मा भी मौजूद रहे. सदर बादशाह कॉलोनी कमेटी गनी बाबा मंसूरी, जगदीश मीणा, पटेल दिनेश पुष्पद, इकबाल मंसूरी, अमान बंटी भाई, अलरजा कुरैशी, विजय सिंह उमठ, पप्पू भाई, सतीश मालवीय एडवोकेट, बाबू भैया चौहान, रोहित पुष्पद और मोहित पुष्पद आदि उपस्थित थे.

हालात एक माह से नालियों की सफाई नहीं, गंदा पानी जाम, पनप रहे मच्छर से महामारी फैलने का भय

बढ़ता गर्मी का प्रकोप, सफाई व्यवस्था लचर

नवभारत न्यूज

ब्यावरा 10 मई, का. मई माह का दूसरा पखवाड़ा शुरु हो गया है, गर्मी ने अपनी रफ्तार पकड़ना शुरु कर दी है, भीषण गर्मी के मौसम में चिंताजनक हालात यह है कि नगर में अधिकांश जगह एक माह से अधिक समय से नालियों की सफाई नहीं हुई है. नालियों में गंदा पानी जमा होने से मच्छर व अन्य कीटाणु पनप रहे है जो किसी महामारी को आमंत्रण देने में काफी है.

विदित है कि तेज हवाओं, बारिश के कारण बदले मौसम के बीच अब अधिकतम तापमान में बढ़ोत्तरी होने लगी है. रविवार को गर्मी के तीखे तेवर रहे. ऐसे में साफ-सफाई व्यवस्था के बिगड़े हालातों से महामारी फैलने का डर बनने लगा है. नगर में अधिकांश जगहों पर नालियों की सफाई हुए एक माह या इससे भी अधिक का समय हो गया है.

मच्छर, कीटाणु पनप रहे

कई दिनों तक नालियों की सफाई में नहीं होने से गंदा पानी, मलबा जमा हो रहा है. मच्छर व अन्य कीटाणु पनप रहे है. कई स्थानों पर कीड़े रेंगते हुए दिखाई दे रहे है, भीषण गर्मी के दिनों में ऐसी स्थिति से महामारी फैलने का डर बना हुआ है. गर्मी का प्रकोप बढ़ते ही उल्टी, दस्त, पेट दर्द, बुखार की शिकायत बढ़ने के साथ ही अस्पताल में मरीजों की संख्या बढ़ी है. यदि समय रहते सफाई व्यवस्था पर ध्यान नहीं दिया तो बिमारियां अपनी चपेट में लेने लगेगी.

मलबे से जाम नालियों को सफाई की दरकार

गर्मी तीखे तेवर दिखा रही है, सफाई व्यवस्था कहीं अधिक चाक चौबंद होना चाहिए किंतु नगर में अधिकांश जगह लम्बे समय से नालियों की सफाई नहीं होने से काफी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है. नालियां मलबे, कचरे से पटी हुई है. नपा कॉम्पलक्स पीपल चौराहा, राजगढ़ रोड, जूना ब्यावरा, सुठालिया रोड, शहीद कॉलोनी सहित अनेक स्थानों पर नालियों में भारी मात्रा में मलबा, कचरा जमा हुआ देखा जा सकता है. नालियों की सफाई नहीं होने से भारी दुर्गंध आती रहती है.

सफाई का जिम्मा स्वयं उठा रहे लोग

घने रहवासी क्षेत्रों में कई जगह नालियों की सफाई हुए एक माह से अधिक का समय गुजरने के कारण दुर्गंध उठ रही है, मच्छर व कीटाणु पनप रहे है. बिमारियां लोगों को अपनी चपेट में ले रही है. सफाई का रास्ता देख कई जगह लोग स्वयं नालियों की सफाई कर रहे है. आये दिन ऐसा देखने में आ रहा जहां लोग स्वयं सफाई करते नजर आ रहे है. नागरिकों का कहना है कि समस्या को लेकर कई बार जिम्मेदारों को अवगत कराने के बाद भी सफाई नहीं होने पर मजबूरन उन्हें सफाई करना पड़ रही है.